Tropical Forest Research Institute, Jabalpur organized 20 days (140 hrs) Certificate Course on "Value addition and marketing of NTFPs (Plant origin): NTFP Products/ Medicinal Plants"under GSDP-ENVIS

Tropical Forest Research Institute, Jabalpur organized 20 days (140 hrs) Certificate Course on "Value addition and marketing of NTFPs (Plant origin): NTFP Products/ Medicinal Plants" from 26th February – 17thMarch, 2020under Green Skill Development Programme (GSDP) - ENVIS sponsored by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi. At the outset, Dr. G. Rajeshwar Rao (*ARS*), Director TFRI welcomed the Chief Guest Shri Purshottam Dhiman, *IFS*, Additional Managing Director, M.P.State Minor Forest Produce (T & D)Co-op. Fed. Ltd., Bhopal (M.P.) by a bouquet. The programme was initiated by lighting the lamp by the Chief Guest, Director of TFRI and other dignitaries.

Dr. Geeta Joshi, Scientist - F, Head of Extension Division and Training- In- Charge elucidated the GSDP and conveyed its purpose to the house. Dr. Nanita Berry, Scientist-E, Head of SFM & AF Division and Training Coordinator briefed about the training schedule consisting of lectures and exposure visits to Industries and farmer's fields and constituting various aspects of NTFPs/ medicinal plants produce. In his address, Dr. G.R. Rao, Director, TFRIwelcomed the participants who reached TFRI from different places of Madhya Pradesh. He spoke about the importance of Non-Timber Forest Produce and their exceeding economic value over forest timber. He evoked the trainees to utilize their time at the institute to improve their knowledge on NTFPs/ medicinal plants to the best of their capacity. The Chief Guest, Shri Purshottam Dhimanappreciated the full-fledged course design of the training encompassing sustainable harvesting, processing, value addition, cultivation, entrepreneurship development, value chain and marketing of forest produce. He especially admired the exposure visit and demonstration parts of the training programme to various processing units, small scale Industries, entrepreneurs and farmer's fields. The course book was released by the dignitaries during the inaugural session. The people from diverse fields viz. agricultural, basic sciences, engineering, Vaidya and farmers interested in cultivation, value addition, marketing of NTFPs and entrepreneurship development, took part in the training programme. Dr. Hari Om Saxena, Scientist – D & Course Director compered the inaugural session which was concluded by extension of vote of thanks by Dr. S. Saravanan, Scientist - F.

During the technical sessions of this 20 days training programme, lectures on a wide range of topics viz.collection, non-destructive harvesting, processing, value addition, marketingof NTFP products/ medicinal plants, entrepreneurship development etcwere delivered by various scientists and experts. Hands on/ practical demonstrations were provided to the learners by expert teams. Besides, the trainees were exposed to Shree Baidyanath Ayurveda Bhawan Pvt. Ltd., Seoni, Forest Research Centre – Skill Development, Chhindwara for preparation of Mahua and Munga based products, MP Vigyan Sabha's processing unit of Honey, Multi grain products, Mahua based bakery products, Char and Aonla based products, Soap and Bio-gas production units at Harshdiwari, PhalamSampada Producer Company Limited, Tamia, Chhindwara, Indian Institute of Forest Management and Vindhya Herbals (MFP-PARC), Bhopal, Vindhya Amrit, Rehti, Sehore, Agarbatti production unit, Jabalpur, medicinal plants cultivation fields and medicinal plants nurseries and gardens etc. About 60% part of the training was covered by the exposure visits and practical demonstrations.

The training was concluded on 16th March, 2020. During the valedictory session, Dr. Arun Kumar, Head, Genetics and Tree Improvement of TFRI welcomed the Chief Guest ShriPradeep Vashudev, APCCF, Working Plan, Jabalpur (M.P.) with bouquet. The Chief Guestappreciated the efforts of TFRI for successfully organizing the event and all resource persons to enrich the participants on different aspects of NTFP products/ medicinal plants. Shri Pradeep Vashudevdistributed the certificates to the participants on the occasion. In the feedback, the participants thanked TFRI for organizing such an excellent and diversified training course on NTFP products/ medicinal plants. They especially appreciated the exposure visit part of training which provided them clear ideas to start an entrepreneur for livelihood. Few of the participants wished to establish their own entrepreneurship based on NTFPs/ medicinal plants.

At the outset of valedictory function, Dr. Hari Om Saxena, Scientist-D and Course Director presented the training report before the august gathering and briefed the activities carried out during the 20 days training programme. During the event, Head of divisions, Scientists, Officers and most of staff of the Institute were present. The programme was successfully conducted by Dr. Hari Om Saxena who also delivered the vote of thanks.

Glimpses of Training programme

Inaugural Session







Lectures by scientists and experts during technical sessions













Exposure visit to processing units and farmer's fields

















Valedictory Session



Media Coverage

TheHitavada

Jabalpur City Line | 2020-02-27 | Page- 3

20-day course on NTFP products inaugurated at TFRI



कट

古

राज एक्सप्रेस सहान्गर

बुरुक्ट, शाकरकरी, जारा www.rajexpress.co 5

जबलपर

औषधीय पौधों में हैं स्वरोजगार के अवसर

उष्ण कटिबंधीय वन अन्तरंधान संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्स का उदघाटन



অন্তর্গত বা বাই আনার গাঁহিবলৈ প্রকাশ (স্থানীকৃত্য - প্রাথী) থকা মানাত, আ বিভাই হুলা ক্রমানিক অন্তর্ভন উ লক্তম ন বাইনিকারের নিবাছে ব্যাহিকা কর ন ব্যাহীকৃত্য क्षेत्र में रिकार के अवतों के प्रकार करता उन्होंने रिकारतावार्थ वर्ष प्रजीतकों क्षेत्र में महीता अन्य संस्कृति के अवतोग्रस्त अवतान तीर राष्ट्राव की केट कोरतन के पूर्व राजनीयी कार्राजन का उत्तरासान के रिटा क्षीकान प्रकार तो कीय गोर्थ ने riscotti al prip de intera qual il almo tacher uni a

amongs agreemed is seen as aread abit abouts that is जीर सर्वेजन के उनके अवन हो। से नर्क है। उनके असकी 1000हें में जन प्रतिकरीय का अनुसंधा संस्था 12 दिस्तीय नरिनिक्ट जीन के इट्टान कार्यक्ष के जीता है। कुछ असीय ए पुरस्तात क्षेत्रक, अति प्रशासी प्रशासन क्षेत्रक द्वार अनुसर । सर्वाक्रम में प्रतिभवितों को दूस समझ सहस्त्रक हुन। अनी सर्वाक्त तिली alt on agrit is tim glander formally from barrety class

जिल क्षेत्रद्र द्वार क्षेत्रक जिल्हा प्राचनो को सामार्थ है। हो जीना बेरे, क्षेत्रक प्राप्तक है विकास क्षेत्रक को अपूर्ण के वह है जिससे में कारण है। तर्म, क्षेत्र कुछ और जामारा है को करियों है जिससे और विकास कुछकार को अपूर्ण के वह है जिससे अपूर्ण हैं। क्षेत्ररंग, वीत के 30 पूर्व पुर प्रतिकृत स्ट्राइका में यह तीर के तिह उन्होंना किये का है। बर्जानन व्हें, हरियोग स्ट्राईन, प्रतिकृत स्टिका तर्भ प्रकार जात ही जनका द्वार क्रिक गाउ

वनो उपज से आय अर्जित करने का प्रशिक्षण लेंगे युवा



ज्ञाहलपुर 🐡 प्रधानदिकपीय वन अनुसधान प्रश्यान में युधवार को जनतह हम उपल के मृत्य संवर्धन और वियमन् जकार वन उत्पाद्ये और औषधीय पीक्षी का सार्टीक केट कोर्स कर शुभारंभ बुख्या को किया गया। पर्याकरण, सन और जलवाप परिवर्तन मंत्रालय के प्राचीतत ग्रीन रिकल देखलपर्गेट प्रोग्राम के अंतर्गत बीस दिवसीय कोर्स कर पाइयक्रम संचालित किया आएगा। इसमें ऑक्टीय प्रजातियों के कारे में महत्त्वपूर्ण ज्ञानकारियां दी जाएगी। संस्थान के विदेशक डॉ. राजेश्वर राव, अर्डएकपम न्हार्मेनम धीमान ने कोर्स का उद्यादन किया। प्रतिभाग एउटा वॉ. गील जीवी

ने बेरोजगर कुकओं में कीलल विकस्तित करने के लिए ग्रांस्थान की ओर में ग्रन्थिता विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी यो। प्रशिक्षण समानायक ही निता बेरी ने किया हमेंत्स, शहर, अगरवती, आंवंशा और अन्य जीवधीय पौथों की खेती और प्रसंस्करण इकछ्य में हिस्क पर्यटन के बारे में जानकारी दीत्सतना, सागर, रायपुर और जवलपुर से आए प्रगतिशील किसान और विधिन्त क्रींसक पृष्ठपृष्टि के 20 युवाओं इस वृद्धिसम्प पात्यकम् मे भाग लोगे के लिए समित किया गया। सत्र का अंसलन क्षेत्रनिक औ. हरिओम धालोना एवं वी सरकार ने किया। Be

TheHitavada

Jabalpur City Line | 2020-03-17 | Page- 5

Certificate course conducted under GSDP ends (



अकाष्ट वन उत्पादों और औषधीय पौधों पर प्रतिभागियों को मिला प्रशिक्षण

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्स का समापन

जवलपुर(आरएनएन)। उन्य कटिकवेद वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में अकरह वन रमज के मूल्य संवर्धन और विपनन, अकार कर उत्पादी और औषधीय पैधी पर बीच दिवतीय सोटींफकेट कोर्च का समापन हुआ। गार्थकम में भार लेने वाले प्रातितील किसानी और पुनाओं को नेवानिको एवं विषय विशेषते द्वारा प्रतिकृत प्रदान किया गया। सम्प्रपन कार्यक्रम में अविधियें हारा ने 20 प्रतिभाषियों को इमाण पत्र जितित किए गए।

पीन स्थित डेबलकोट प्रेचम (जीएसप्रीचे) के तला संवातित और पर्यावसम् वन और जलवायु चरिवर्तन मंत्रालय (एमओक्रएक-सीची) भारत चरकार न्हें दिक्की द्वारा प्राचीनित इस फटराक्रम में प्रतीप वास्त्रदेव एपीसीसीएफ और मान्य सत्र के मुख्य अतिथि ने अकाष्ट्रपन उत्पादी की बढ़ारी मांग और लोकप्रियता के बसे में बताते हुए युवाओं को इनकी उचित खेती किनाश रिवर्धन रिवरोहन विप्रणन और प्रमंधन के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशिक्षण निदेशक हो. हरिओम सबसेना ने पाउरकाम की घटनाओं के खरे में जानकारी दी। उन्होंने व्याख्यान और प्रशिक्षण में शामिल विभिन्न चैरे और संसाधन व्यक्तियों के बारे में जिस्तुत रूप से प्रस्तुति दी। इस अवस्त्र पर हीं. नीनता बेरी डॉ. बेंता जोशी डॉ. एस सरफ्तन डॉ. इस. फिक्स एसके चीचे प्रणव धर और गणेश प्रवार भी टीएफआआई के अन्य वैज्ञानकों और ऑपकारियों के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

तईदिनिया 6 जबलपुर, मंगलवार १७ मार्च २०२०

जबलपुर सिटी आसपास

वन उत्पाद व औषधीय पौधों की खेती करने 20 युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

जबलप्र (नईदनिया प्रतिनिधि)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में अकाष्ठ वन उत्पाद और ऑक्धीय पीधों की खेती करने का 20 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। संस्थान प्रशासन ने सोमवार को इस 20 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स के समापन कर्श्वक्रम में सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाण-पत्र ਰਿਸ਼ਹਿਸ ਕਿਹਾ।

टीएफआरआई में अकाष्ठ वन उपज के मृत्य संवर्धन और विपणन, अकान्ड वन उत्पादों और औषधीय पौधों के संबंध में युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। वह पाठवक्रम ग्रीन स्किल डेकलपमेंट प्रोहाम (जीएसडीपी) के तहत संचालित और पर्यावरण, वन और जलवाव परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ सीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया।

मान्य सत्र के मुख्य अतिथि प्रदीप वास्टेव ने युवाओं को अकारह वन उत्पादों की बढ़ती मांग व लोकप्रियता के बारे में बताया। साथ ही



प्रशिक्षण सत्र के समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाटे प्रमाण-पत्र । • नईदुनिया

इनको उचित खेती, विनाशारीन विद्योहन, दी। इस कार्यक्रम के अंत में 20 विपणन और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित

घटनाओं की जानकारी दी: प्रशिक्षण निदेशक हॉ. हरिओम सक्सेना ने पाठवक्रम की घटनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने व्याख्यान और प्रशिक्षण में शामिल विभिन्न दीरे और संसाधन व्यक्तियों के बारे में प्रस्तृति

प्रगतिशील किसानों व युवाओं के लिए प्रमाण-पत्र बांटे गए। इसके साथ ही यह सत्र समाप्त हुआ।

ये रहे शामिल: कार्यक्रम में डॉ. ननिता बेरी, डॉ. गीता जोशी, डॉ. एस सरवनन, डॉ. एस विश्वास, एसके चीबे, प्रणव धर, गणेश पवार आदि